

This question paper contains 4 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 1329

Unique Paper Code : 227403

E

Name of the Paper : Economy, State and Society

Name of the Course : B.A. (Honours Economics)

Semester : IV

Duration : Three Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

Note : Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

Attempt *four* questions in all, selecting *one* question from Section A and *three* questions from Section B.

खण्ड 'अ' से एक तथा खण्ड 'ब' से तीन प्रश्नों का चयन करते हुए कुल चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

All questions in Section A carry 15 marks and *All* questions in Section B carry 20 marks.

खण्ड 'अ' के सभी प्रश्नों के 15 अंक हैं तथा खण्ड 'ब' के सभी प्रश्नों के 20 अंक हैं।

Section A

(खण्ड 'अ')

1. Define base and superstructure. Explain how changes within these are responsible for a transformation of social formation.

आधार और अधिरचना को परिभाषित कीजिए। इनके अन्दर परिवर्तन किस प्रकार सामाजिक गठन के परिवर्तन के लिए जिम्मेदार हैं ?

P.T.O.

2. What are the new insights provided by Irfan Habib in trying to analyse the process of transition from feudalism to capitalism particularly for Western European societies ?

पश्चिमी यूरोपीय समाज के सामंतवाद से पूँजीवाद में परिवर्तन की प्रक्रिया के विश्लेषण में इस्फान हबीब द्वारा कौन-कौनसी नई अन्तर्दृष्टि प्रदान की गई है ?

3. Do you think that capitalism is essentially a 'self-ordering' system ? Why does Heilbroner feel that capital cannot exist even for a day, without the active support of the state ?

क्या आपको लगता है कि पूँजीवाद अनिवार्य रूप से एक 'आत्म-अनुशासित' प्रणाली है ? हेल्ब्रोनर ऐसा क्यों सोचते हैं कि सरकार के सक्रिय समर्थन के बिना पूँजी एक दिन के लिए भी अस्तित्व में नहीं रह सकती है ?

Section B

(खण्ड 'ब')

4. "The problem that is usually being visualised is how capitalism administers existing structures, whereas the relevant problem is how it creates and destroys them." Evaluate this statement of Schumpeter in the context of his defence of monopoly capitalism.

"आमतौर पर समस्या यह दिखाई जाती है कि पूँजीवाद मौजूदा ढाँचे का प्रबन्ध कैसे करता है जबकि प्रासंगिक समस्या यह है कि यह इन्हें कैसे बनाता है और नष्ट कर देता है।" एकाधिकार पूँजीवाद के बचाव के संदर्भ में शुम्पीटर के उक्त बयान का मूल्यांकन कीजिए।

5. Explain the "internal logic" of the working of the Capitalist system with an explanation of the process by which capital accumulation accomplishes the central task of organisation and disciplining of social activity.
- पूँजीवादी व्यवस्था की कार्यप्रणाली के आंतरिक तर्क की व्याख्या कीजिए। इस व्याख्या में उस प्रक्रिया की भी व्याख्या कीजिए जिसके तहत पूँजी संचय, सामाजिक गतिविधि को संगठित तथा अनुशासित करने के केन्द्रीय कार्य को करता है।
6. Explain Kalecki's reasoning as to why business leaders may object to attainment of full employment through government spending.
- कलेच्की के तर्क की व्याख्या कीजिए कि व्यापार जगत् की हस्तियाँ सरकारी व्यय के माध्यम से पूर्ण रोजगार की प्राप्ति पर आपत्ति क्यों कर सकती हैं ?
7. What are the possibility and necessity theories of crisis ? Explain the scope of Government Intervention in counteracting the possible impact of capitalist crisis.
- संकट के संभावना और अनिवार्यता सिद्धांत क्या-क्या हैं ? पूँजीवादी संकट के संभावित प्रभाव के प्रतिकार में सरकार के हस्तक्षेप की संभावना का वर्णन कीजिए।
8. How does E.K. Hunt analyse the transition from feudalism to capitalism in Western Europe ? Discuss. Do you think capitalism was born within the womb of the feudal system and it naturally germinated out of the seeds of internal contradictions within such feudal societies ?

पश्चिमी यूरोप में सामंतवाद से पूँजीवाद में परिवर्तन को इ. के. हन्ट ने किस प्रकार वर्णन किया है ? व्याख्या कीजिए। क्या आपको लगता है कि पूँजीवाद सामन्तवादी व्यवस्था के गर्भ से उत्पन्न हुआ और यह प्राकृतिक रूप से सामंतवादी समाज में अन्तर्निहित विरोधाभाव से पैदा हुआ ?

9. Analyse how the world of big business and finance is different from that in the conceptualisation that Lenin made in "Imperialism". Does this make Lenin's theory irrelevant to the analysis of contemporary capitalism and the world economy ?

बड़े व्यापार और वित्त की दुनिया किस प्रकार लेनिन द्वारा "साम्राज्यवाद" में की गई संकल्पना से अलग है ? विश्लेषण कीजिए। क्या ये समकालीन पूँजीवाद और विश्व अर्थव्यवस्था के विश्लेषण में लेनिन के सिद्धांत को अप्रासंगिक बना देता है ?